



**UNIVERSITY OF RAJASTHAN  
JAIPUR**

**SYLLABUS**

**M.A. Rajasthani Language,  
Literature & Culture**

**Semester Scheme**

**I<sup>st</sup> Semester Exam December 2016**

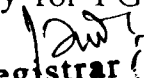
*handwritten signature*  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR *handwritten initials*

①

**M.A. : RAJASTHANI LANGUAGE, LITERATURE AND  
CULTURE**

**एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति**

1. **M.A. : Rajasthani Language, Literature and Culture** is a unique and composite P.G. course introduced under the Faculty of Social Science and being run by the Centre for Rajasthan Studies. The purpose of this course is two fold – firstly, to acquaint the students with myriad facets of the history and culture of Rajasthan; and secondly, to get them well versed in Rajasthani language and its rich literature. In other way, this course offers a great opportunity to develop an overall knowledge of history, society, culture, language, literature and other aspects of Rajasthan and enables the students to be well-versed in Rajasthan Studies which has become an essential component of competitive exams conducted by RPSC.
2. M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is an SFS course which is run exclusively for the regular students of the university.
4. The Self Financing Course of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture is run as per the prevailing norms, regulations and fee structure of SFS courses in the University of Rajasthan, Jaipur. The annual course fee for the students of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture was Rs. 12500 in the session 2015-16 which is being hiked by 10% from the session 2016-17 as per the revised fee structure of the university.
5. The eligiblity and rules for admission in M.A. Rajasthani Language, Literature and Culture are as per the rules and regulations for admission in other courses of M.A. in Faculty of Social Science in the University of Rajasthan.
6. The Centre for Rajasthan Studies offers 60 seats for admission to M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture under SFS.
6. The examination for the degree of M.A. in Rajasthani Language, Literature and Culture will be based on Semester Examination as per the scheme prevailing in the university for PG courses in the Faculty of Social Science.

  
**Dy. Registrar (Acad.)**  
**University of Rajasthan**  
**JAIPUR**

## SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

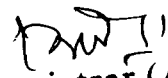
एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के लिये चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत कुल 24 प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र (तीन अनिवार्य एवं तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र) होंगे।

प्रश्नपत्रों के उत्तर का माध्यम परीक्षार्थी के विकल्प के अनुसार राजस्थानी या हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा, इस प्रकार चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत होने वाले 24 प्रश्नपत्र कुल 144 क्रेडिट के होंगे एवं परीक्षार्थी के लिए 120 क्रेडिट हासिल करना अनिवार्य होगा।

प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की उपाधि के लिये प्रथम सेमेस्टर परीक्षा की प्रश्नपत्र योजना एवं पाठ्यक्रम विवरण निम्नलिखित है :-

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

प्रथम सेमेस्टर परीक्षा

प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

**First Semester (Without Laboratory Work)**

S. No.	Paper	Subject Code	Course Title	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 701	राजस्थानी भाषा	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 702	राजस्थानी साहित्य का इतिहास	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 703	प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)	CCC	6
4.	Paper IV, V & VI (any three)	RAJ A01	राजस्थान की स्थापत्य कला	ECC	6
5.		RAJ A02	राजस्थान की चित्रकला	ECC	6
6.		RAJ A03	राजस्थानी लोकसाहित्य	ECC	6
7.		RAJ A04	राजस्थानी व्याकरण	ECC	6

  
Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

अनिवार्य प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र I RAJ 701 राजस्थानी भाषा

प्रश्नपत्र II RAJ 702 राजस्थानी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र III RAJ 703 प्राचीन राजस्थान का इतिहास (आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

वैकल्पिक प्रश्नपत्र : निम्नलिखित में से कोई तीन –

प्रश्नपत्र RAJ A01 राजस्थान की स्थापत्य कला

IV, V एवं VI RAJ A02 राजस्थान की चित्रकला

RAJ A03 राजस्थानी लोकसाहित्य

RAJ A04 राजस्थानी व्याकरण

*जापुरी*  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR *ee*

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति  
प्रथम सेमेस्टर परीक्षा

प्रश्नपत्र I : RAJ 701 राजस्थानी भाषा

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

**इकाई – प्रथम**

भाषा की परिभाषा, भाषा के विविध रूप (मानक भाषा, बोली उपबोली आदि), लिपि और भाषा का सम्बन्ध, प्रमुख लिपियाँ। राजस्थानी भाषा के प्रमुख विद्वान एवं उनके कार्य – जार्ज ग्रियर्सन, सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, सुनीति कुमार चटर्जी, एल.पी. तेस्सीतोरी।

**इकाई – द्वितीय**

राजस्थानी भाषा : उद्भव एवं विकास, डिंगल-पिंगल की सामान्य विशेषताएं। भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का स्थान एवं महत्त्व। राजस्थानी बोलियों की आंतरिक एकरूपता।

**इकाई – तृतीय**

राजस्थानी की प्रमुख बोलियां एवं उपबोलियां, राजस्थानी से अभिप्राय एवं क्षेत्र, राजस्थानी की व्याकरणिक विशेषताएं एवं प्रयोग।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका।
2. मोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर।
4. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
8. महावीर प्रसाद शर्मा : मेवाती का उद्भव और विकास।
9. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
10. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : भाषा और समीक्षा।
11. डॉ. हीरालाल महेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
12. कैलाशचन्द्र अग्रवाल : शेखावाटी बोली का वर्णात्मक अध्ययन।
13. प्रहलाद चन्द जोशी : मालवी और उपबोलियों का व्याकरण।
14. कन्हैया लाल शर्मा : हाड़ौती बोली और साहित्य।

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

## प्रश्नपत्र II : RAJ 702 राजस्थानी साहित्य का इतिहास

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

### इकाई – प्रथम

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

### इकाई – द्वितीय


राजस्थानी साहित्य का मध्यकाल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

### इकाई – तृतीय

राजस्थानी साहित्य का आधुनिक काल : प्रमुख प्रवृत्तियां, काव्य धाराएं, गद्य रूप, प्रमुख रचनाएं तथा रचनाकार।

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी
2. जार्ज ए. ग्रियसैन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
3. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
4. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य।
5. नरोमतदास स्वामी : राजस्थानी भाषा – एक परिचय।
6. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी साहित्य की रूपरेखा।
7. डॉ. मोतीलाल मेनारिया : राजस्थान का पिंगल साहित्य।
8. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड) राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. डॉ. गोवर्द्धन शर्मा : डिंगल साहित्य
10. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल।
11. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य, कलकत्ता।
12. डॉ. हीरालाल माहेश्वरी : हिस्ट्री ऑफ राजस्थानी लिटरेचर, दिल्ली।
13. डॉ. अगरचन्द नाहटा : राजस्थानी साहित्य की गौरवपूर्ण परम्परा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 703 प्राचीन राजस्थान का इतिहास  
(आरम्भ से 1200 ईस्वी तक)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान की भौगोलिक विशेषताएँ। प्रागैतिहासिक संस्कृतियाँ – पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल। ताम्रपाषाणिक एवं ताम्रयुगीन सभ्यताएँ (आहाड़, गणेश्वर)। वैदिक सरस्वती नदी, कालीबंगा।

इकाई – द्वितीय

मत्स्य जनपद। राजस्थान की गणतांत्रिक जातियाँ, मालवों के विशेष संदर्भ में। राजपूतों की उत्पत्ति।

इकाई – तृतीय

गुर्जर-प्रतिहारों का उदय एवं विस्तार। चाहमान साम्राज्य। राजस्थान का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन (ईस्वी 700 से 1200)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
3. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान के इतिहास के स्रोत, भाग 1, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. विशुद्धानन्द पाठक : उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. डी.सी. शुक्ला : अर्ली हिस्ट्री ऑफ राजस्थान, दिल्ली, 1978.
6. दशरथ शर्मा : राजस्थान थू दि एजेज, भाग 1, बीकानेर, 1966.

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR



## प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A01 राजस्थान की स्थापत्य कला

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

### इकाई – प्रथम

मंदिर स्थापत्य : ओसियां, देलवाड़ा, रणकपुर, आम्बेर (जगत शिरोमणि)। राजप्रासाद स्थापत्य: मेहरानगढ़, डीग।

### इकाई – द्वितीय

दुर्ग स्थापत्य : चित्तौड़, रणथंभौर, कुंभलगढ़, जालौर। हवेली स्थापत्य : जैसलमेर, शेखावाटी।

### इकाई – तृतीय

छतरियाँ (मंडोर, गेटोर), मकबरे। बांध (राजसमंद)। सरोवरों एवं बावडियों का स्थापत्य। मस्जिदों का स्थापत्य। नगर-योजना एवं गृह-स्थापत्य (जयपुर)।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
2. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. राघवेन्द्र सिंह मनोहर : राजस्थान के प्रमुख दुर्ग, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. वाई.डी. सिंह : राजस्थान के कुएँ एवं बावडियाँ।

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

## प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A02 राजस्थान की चित्रकला

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

### इकाई – प्रथम

चित्रकला का परिचय, राजस्थानी चित्रकला का उद्भव एवं विकास, चित्रकला की प्रमुख शैलियां – मेवाड़, डूँढाड़, किशनगढ़, बूंदी आदि। राजस्थानी चित्रकला की विशेषताएं।

### इकाई – द्वितीय

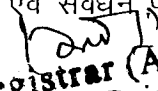
राजस्थानी लोक चित्रकला – विकास एवं स्वरूप – भित्तिचित्र, माँडने, गोदना, फड़, पिछवाई, सांझी आदि। लोक चित्रकला की मान्यताएं एवं विशेषताएं। राजस्थान की लोक चित्रकला को प्रोत्साहन एवं संरक्षण।

### इकाई – तृतीय

प्राचीन राजस्थान में चित्रकला। मध्यकाल में राजस्थान में चित्रकला – विकास एवं विशेषताएं। लोक चित्रकला में रंग संयोजन एवं विषय। आधुनिक चित्रकला का स्वरूप एवं विशेषताएं। राजस्थान के प्रमुख आधुनिक चित्रकार एवं चित्रकला के विकास में योगदान।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज : राजस्थानी चित्रकला, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
2. नीलिमा वशिष्ठ : राजस्थान की मूर्तिकला परम्परा, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
3. रीता प्रताप : भारतीय चित्र कला एवं मूर्तिकला का इतिहास, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. धर्मवीर वशिष्ठ : मारवाड़ की चित्रांकन परम्परा एवं चित्रकार, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5. वन्दना जोशी : नाथद्वारा चित्र शैली, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (सं.) : राजस्थान वैभव, भारतीय संस्कृति एवं संवर्धन परिषद्, नई दिल्ली।

  
Dy. Registrar (Acad.)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

## प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A03 राजस्थानी लोकसाहित्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

### इकाई – प्रथम

लोक साहित्य : सामान्य सिद्धान्त, परिभाषा, अर्थ, लोक-तत्व, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

### इकाई – द्वितीय

राजस्थानी लोकगीत एवं राजस्थानी लोककथाएँ: अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ।

### इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, प्रमुख विशेषताएँ, राजस्थानी लोकोक्ति, मुहावरे एवं पहेलियाँ।

### सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. सोहनदान चारण : राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन
2. डॉ. महेन्द्र भानावत : लोकरंग
3. डॉ. महेन्द्र भानावत : राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
4. डॉ. सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान
5. डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय : लोक साहित्य की भूमिका
6. श्याम परमार : भारतीय लोक वाङ्मय
7. श्याम परमार : लोकधर्मी नाट्य परम्परा
8. वासुदेव शरण अग्रवाल : लोक धर्म
9. मन्मथनाथ गुप्त : लोकोत्सव
10. श्री कृष्णदास : लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
11. झवेरचन्द मेघानी : लोक साहित्य (व्याख्यान)
12. सूर्यकरण पारीक : राजस्थानी लोक गीत
13. नानूराम संस्कर्ता : राजस्थान का लोक-साहित्य
14. डॉ. कृष्णकुमार शर्मा : राजस्थानी लोकभाषाओं के कुछ रूढ तत्व
15. लक्ष्मीलाल जोशी : मेवाड़ की कहावतें
16. डॉ. कन्हैयालाल सहल : राजस्थानी कहावतें – एक अध्ययन
17. चन्द्रदान चारण : गोगाजी चोहान की राजस्थानी गाथा
18. डॉ. मनोहर शर्मा : राजस्थानी साहित्य और संस्कृति
19. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
20. लक्ष्मीकुमारी चूडावत (सम्पा.) : बगड़ावत देवनारायण गाथा
21. भागीरथ कानोडिया तथा गोविन्द अग्रवाल : राजस्थानी कहावत कोष

## प्रश्नपत्र IV, V & VI

RAJ A04 राजस्थानी व्याकरण

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

### इकाई प्रथम

व्याकरण : अर्थ एवं प्रयोग। व्याकरण की आवश्यकता। व्याकरण एवं भाषाशास्त्र का संबंध। व्याकरण की भारतीय परंपरा। राजस्थानी व्याकरण की परंपरा। राजस्थानी के प्रमुख व्याकरण लेखक – सीताराम लालस, नरोत्तमदास स्वामी, कालीचरण बहल, गोविन्द शंकर शर्मा।

### इकाई द्वितीय

राजस्थानी की ध्वनियां। ध्वनियों का वर्गीकरण। राजस्थानी के स्वर एवं व्यंजन –महाप्राण–अल्पप्राण, सघोष–अघोष। राजस्थानी विशिष्ट ध्वनि – ळ। राजस्थानी में न एवं ण का प्रयोग।

### इकाई तृतीय

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण क्रिया, मूल एवं तिर्यक, अव्ययों के एक वचन एवं बहुवचन, पुल्लिंग–स्त्रीलिंग रूप और निर्माण की प्रक्रिया। परसर्गों एवं अव्ययों का विवरण।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रो. रामाश्रय मिश्र एवं डॉ. नरेश मिश्र : भाषा और भाषा विज्ञान, उन्मेश प्रकाशन, करनाल, हरियाणा।
2. भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।
3. डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या : राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्थान, उदयपुर।
4. डॉ. गोविन्द शंकर शर्मा : राजस्थानी भाषा शास्त्र, जयपुर
5. जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया : राजस्थानी का भाषा सर्वेक्षण, राजस्थानी भाषा प्रचार, जयपुर।
6. जगदीश प्रसाद कौशिक : भारतीय आर्य भाषाओं का इतिहास।
7. सीताराम लालस (सम्पा.) : राजस्थानी शब्दकोस (प्रथम खण्ड), राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
9. नरोत्तमदास स्वामी : राजस्थानी व्याकरण।
10. एल. पी. टैसीटोरी (अनु.) डॉ. नामवरसिंह : पुरानी राजस्थानी